**संख्या- 138 / 2023 / 798 / चार-2023**

प्रेषक,

रघुनाथ प्रसाद वर्मा,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0,
जवाहर भवन, लखनऊ।

**संस्कृति अनुभाग:** **लखनऊ: दिनांक 22 मार्च, 2023**

विषय:- सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान के गैर वेतन मद में पुनर्विनियोग के माध्यम से रू0 30.00 लाख की प्रशासकीय/ वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्यक्त विषयक आपके पत्र संख्या-4383/सं0नि0-20 (लो0ज0जा0)/2020-21, दिनांक 14 मार्च, 2023 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-आयोजनेत्तर-101- ललित कला शिक्षा-22- लोक एवं जनजातीय कला तथा सांस्कृतिक संस्थान की स्थापना- 20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) मद में रू0 30.00 लाख (रू0 तीस लाख मात्र) की प्रशासकीय/ वित्तीय स्वीकृति संलग्न विवरण के अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से निम्नलिखित शर्तों / प्रतिबंधों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(1) संस्कृति निदेशालय/ लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा समस्त औपचारिकतायें एवं वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(2) बचत की धनराशि संस्कृति निदेशालय/ लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा सुनिश्चित की जायेगी।

(3) जिस मद में पुनर्विर्नियोग किया जा रहा है, उसका सदुपयोग इसी वित्तीय वर्ष में कर लिया जायेगा।

(4) जिस मद से पुनर्विनियोग किया जा रहा है, उस मद में अतिरिक्त धनराशि की मांग नहीं की जायेगी।

(5) संस्कृति निदेशालय/ लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा आवश्यकतानुसार ही व्यय सुनिश्चित किया जायेगा।

(6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण नियमानुसार किया जायेगा। चालू वित्तीय वर्ष में प्राविधानित /स्वीकृत धनराशि का उपयोग हो जाने के पश्चात् ही इस धनराशि का आहरण किया जायेगा। धनराशि आहरित करके बैंक/पोस्ट आफिस में जमा नहीं की जायेगी ।

(7) उक्त स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के अधीन है कि उपरोक्त स्वीकृत धनराशि स्वीकृत मदों में व्यय की जायेंगी, अन्य मदों पर व्यय हेतु कदापि उपयोग नहीं की जायेगी। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि इन धनराशियों का प्रदेशन ही अकेले किसी प्रकार के व्यय करने का अधिकार नहीं देता, व्यय करने के लिए बजट मैनुअल और वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत नियमों अथवा अन्य स्थाई आदेशों से शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की, जहॉ आवश्यकता हो, व्यय करने के पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।

2. उपर्युक्त स्वीकृति से सम्बन्धित व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में अनुदान संख्या-92 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2205-कला एवं संस्कृति-आयोजनेत्तर-107- संग्रहालय निदेशालय -03- अधिष्ठान व्यय -01 -वेतन मद में उपलब्ध बचतों में से संक्रमित करते हुए अनुदान संख्या-92-के अधीन लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-आयोजनेत्तर-101- ललित कला शिक्षा-22- लोक एवं जनजातीय कला तथा सांस्कृतिक संस्थान की स्थापना- 20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) मद के नामे डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-13/2022/बी-1-454/दस-2022-231/2022, दिनांक 07 जून, 2022 में प्राप्त दिशा निर्देशों के अन्तर्गत प्रशासकीय विभागों को प्रतिनिधानित अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,
रघुनाथ प्रसाद वर्मा
अनु सचिव।

संख्या- 138 /2023 / 798 (1)/चार-2023 तद्दिनांक

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार, (लेखा व हकदारी) प्रथम, उ0प्र0 प्रयागराज।
2- निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0 प्रयागराज।
3- वित्त नियंत्रक, संस्कृति निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ ।
4- मुख्य कोषाधिकारी, कोषागार, जवाहर भवन, लखनऊ।
5- निदेशक, लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ।
6- वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-7/ वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/नियोजन अनुभाग-4 , उ0प्र0 शासन।
7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
रघुनाथ प्रसाद वर्मा
अनु सचिव।

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

बी एम-9 (भाग - 1)
पुनर्विनियोग के लिए आवेदन / स्वीकृति
(संदर्भ : बजट मैनुअल का प्रस्तर- 158)
A004-20222023-798-Char-2023

विषय:- सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान के गैर वेतन मद में पुनर्विनियोग के माध्यम से रू0 30.00 लाख की प्रशासकीय/ वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

*निम्नलिखित निधियो से प्रस्तावित संक्रमण*

| अनुदान संख्या | लेखाशीर्ष | मानक मद | आवेदन पत्र देने के दिनांक पर उपलब्ध अनुदान / विनियोग | आवेदन पत्र देने के दिनांक पर उपलब्ध बचत | संक्रमित की जाने वाली धनराशि | वित्त विभाग द्वारा संक्रमण हेतु अनुमोदित धनराशि | संक्रमण के पशचात् शेष अनुदान / विनियोग | वित्तीय वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 092 | 2205001070300 (अधिष्ठान व्यय ) | 01 (वेतन) | 9,07,77,000 रुपये नौ करोड़ सात लाख सतहत्तर हजार मात्र | 30,00,000 रुपये तीस लाख मात्र | 30,00,000 रुपये तीस लाख मात्र | 30,00,000 रुपये तीस लाख मात्र | 8,77,77,000 रुपये आठ करोड़ सतहत्तर लाख सतहत्तर हजार मात्र | 2022-2023 |
| **कुल** | | | | | ₹ 30,00,000 | ₹ 30,00,000 | | |

*निम्नलिखित निधियो मे प्रस्तावित संक्रमण*

| अनुदान संख्या | लेखाशीर्ष | मानक मद | वित्तीय वर्ष के लिए उपलब्ध / विनियोग | संक्रमण हेतु प्रस्तावित धनराशि | वित्त विभाग द्वारा अनुमोदित संक्रमण की धनराशि | संक्रमण के पशचात् उपलब्ध अनुदान / विनियोग | वित्तीय वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 092 | 2205001012200 (लोक एवं जनजातीय कला तथा सांस्कृतिक संस्थान की स्थापना ) | 20 (सहायता अनुदान - सामान्य (गैर वेतन)) | 35,00,000 रुपये पैंतीस लाख मात्र | 30,00,000 रुपये तीस लाख मात्र | 30,00,000 रुपये तीस लाख मात्र | 65,00,000 रुपये पैंसठ लाख मात्र | 2022-2023 |
| **कुल** | | | | ₹ 30,00,000 | ₹ 30,00,000 | | |

कृपया उपरोक्त प्रस्ताव पर निम्नलिखित शर्तो के अधीन प्रशासनिक विभाग को अनुमोदन देना चाहे :-
(1) संस्कृति निदेशालय/ लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा समस्त औपचारिकतायें एवं वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
(2) बचत की धनराशि संस्कृति निदेशालय/ लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा सुनिश्चित की जायेगी।
(3) जिस मद में पुनर्विर्नियोग किया जा रहा है, उसका सदुपयोग इसी वित्तीय वर्ष में कर लिया जायेगा।
(4) जिस मद से पुनर्विनियोग किया जा रहा है, उस मद में अतिरिक्त धनराशि की मांग नहीं की जायेगी।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(5) संस्कृति निदेशालय/ लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा आवश्यकतानुसार ही व्यय सुनिश्चित किया जायेगा।

(6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण नियमानुसार किया जायेगा। चालू वित्तीय वर्ष में प्राविधानित /स्वीकृत धनराशि का उपयोग हो जाने के पश्चात् ही इस धनराशि का आहरण किया जायेगा। धनराशि आहरित करके बैंक/पोस्ट आफिस में जमा नहीं की जायेगी ।

(7) उक्त स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के अधीन है कि उपरोक्त स्वीकृत धनराशि स्वीकृत मदों में व्यय की जायेंगी, अन्य मदों पर व्यय हेतु कदापि उपयोग नहीं की जायेगी। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि इन धनराशियों का प्रदेशन ही अकेले किसी प्रकार के व्यय करने का अधिकार नहीं देता, व्यय करने के लिए बजट मैनुअल और वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत नियमों अथवा अन्य स्थाई आदेशों से शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की, जहॉ आवश्यकता हो, व्यय करने के पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।

संख्या:RE-budget-1-561-E-7-451-X-2022-23-दिनांक:21-03-2023

सेवा में,
निदेशक,
संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0,
जवाहर भवन, लखनऊ।

रघुनाथ प्रसाद वर्मा
अनु सचिव

संजय शुक्ला
उप सचिव

संख्या- 138 /2023 / 798 (1)/चार-2023 तद्दिनांक

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार, (लेखा व हकदारी) प्रथम, उ0प्र0 प्रयागराज।
2- निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0 प्रयागराज।
3- वित्त नियंत्रक, संस्कृति निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ ।
4- मुख्य कोषाधिकारी, कोषागार, जवाहर भवन, लखनऊ।
5- निदेशक, लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ।
6- वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-7/ वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/नियोजन अनुभाग-4 , उ0प्र0 शासन।
7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
रघुनाथ प्रसाद वर्मा
अनु सचिव

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।